Roll No. : | | | | | | | | | | |

कुल प्रश्नों की संख्या : 14] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08

Total No. of Questions : 14] [Total No. of Printed Pages 08

L-242010/810-A

हायर सेकण्डरी परीक्षा / Higher Secondary Examination

विषय : हिन्दी

Subject : Hindi

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 80

नोट :- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

सामान्य निर्देश :-

(i) प्रश्न पत्र के सभी प्रश्नों को तीन खण्डों 'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(ii) खण्ड 'क' में 2 प्रश्न हैं जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(iii) खण्ड 'ख' में 5 प्रश्न हैं जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिये गये हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(iv) खण्ड 'ग' के 'आरोह' भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(v) खण्ड 'ग' के 'वितान' भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड – 'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

"वैज्ञानिक और कवि दोनों ही प्रकृति के उपासक हैं। दोनों ने ही प्रकृति से संबंध स्थापित करने का प्रयास किया है। अंतर इतना है कि वैज्ञानिक प्रकृति के बाह्य रूप का अवलोकन कर सत्य की खोज करता है, किन्तु कवि प्रकृति के बाह्य रूप से आकृष्ट होकर भाव-विभोर हो उसे छंदों में बांधता है। वैज्ञानिक प्राकृतिक वस्तुओं का अवलोकन व सूक्ष्म निरीक्षण करते हैं। सूर्य और चंद्र देखकर उसके मस्तिष्क में अनेक विचार उठते हैं। उनका ताप क्रम क्या है? सूर्य-चन्द्र कब से प्रकाशमान है? ज्वार-भाटा या तापमान पर सूर्य-चन्द्र का क्या प्रभाव होता है? ग्रह-उपग्रह किस गति से सौरमण्डल की परिक्रमा करते हैं? वैज्ञानिक अन्य ग्रहों के भूकम्प, ज्वालामुखी पर्वतों व जीवधारियों की खोज करता है। पुष्प को देखकर उसके अंगों का विश्लेषण करता है। वह सत्य और वास्तविकता के आधार पर प्रमाण प्रस्तुत करता है। कवि की कविता प्रत्यक्ष अवलोकन के साथ ही आत्म-अवलोकन करती है और हृदय के भावों से संबंध स्थापित कर सुन्दर गीतों व छंदों के निर्माण में लगकर जगत के लिए रसास्वादन की वस्तु तैयार करती है। वह प्रकृति के सौन्दर्य का उपासक है।"

(i) प्रकृति की उपासना कौन करते हैं? |2|

(ii) प्रकृति के सम्बंध में कवि और वैज्ञानिक में क्या अंतर है? |2|

(iii) सूर्य और चंद्रमा के प्रति वैज्ञानिक कैसा दृष्टिकोण रखते हैं? |2|

(iv) वैज्ञानिक प्रमाण कैसे प्रस्तुत करता है? |2|

(v) कवि रसास्वादन की वस्तु कैसे तैयार करता है? [2]

(vi) प्रकृति और हृदय में 'इक' प्रत्यय लगाकर नये शब्द बनाइए। [½+½=1]

(vii) रसास्वादन का संधि विच्छेद कीजिए। [1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर, इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

दिवसावसान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही हैं
वह संध्या-सुन्दरी परी सी
धीरे धीरे धीरे।
तिमिराँचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास,
मधुर-मधुर हैं दोनों उसके अधर
किन्तु जरा गंभीर - नहीं है उनमें हास - विलास।
हँसता है तो केवल तारा एक
गुथा हुआ उन घुँघराले काले-काले बालों से
हृदय राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक।
अलसता की – सी लता, किन्तु कोमलता की वह कली
सखी नीरवता के कंधे पर डाले बाँह,
छाँह सी अम्बर पथ से चली।

(i) संध्या सुन्दरी का अभिषेक कौन कर रहा है? [1]

(ii) संध्या-सुन्दरी किसके सहारे आकाश मार्ग से आ रही है? [1]

(iii) संध्या-सुन्दरी की तुलना किससे की गई है? [1]

(iv) हास-विलास किसमें नहीं है? [1]

खण्ड – 'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से **किसी एक** शीर्षक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए - [1+3+1 =5]

(क) अनेकता में एकता - भारत की विशेषता।

(ख) चन्द्रयान - 3 की सफलता।

(ग) वन एवं जैव-विविधता संरक्षण।

(घ) वायु प्रदूषण कारण-निदान।

प्रश्न-4 प्लास्टिक थैलियों के उत्पादन व प्रयोग पर रोक लगाने के लिए राज्य के पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए। [1+3+1 =5]

अथवा

परीक्षावधि में डी. जे. का प्रयोग बंद कराने हेतु अपने जिले के कलेक्टर को नागरिकों की ओर से आवेदन लिखिए।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -

(i) समाचार क्या है? [1]

(ii) हिन्दी वेब जगत में कौन-कौन सी साहित्यिक पत्रिकाएं प्रसिध्द हैं? [1]

(iii) विशेष लेखन क्या है? [1]

(iv) सूचना प्राप्त करने के दो स्त्रोत बताइये। [½+½=1]

प्रश्न-6 नाटक व कहानी में तीन प्रमुख अंतर लिखिए। [3]

अथवा

परीक्षा की तैयारी पर पिता-पुत्र के बीच तीन-तीन संवाद लिखिए।

प्रश्न-7 "जैविक खेती की जरूरत" पर आलेख लिखिए।

अथवा

"इण्टरनेट के जाल में बचपन" पर फ़ीचर लिखिए।

खण्ड – 'ग' – आरोह

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए -

"जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है,
उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं,
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं
महज एक धागे के सहारे

पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं

अपने रंध्रों के सहारे।"

(i) 'डाल की तरह लचीले वेग' से कवि का क्या अभिप्राय है? [2]

(ii) बच्चों को छतों से गिरने से कौन बचाता है? [2]

(iii) 'अपने रंध्रों के सहारे' का तात्पर्य क्या हैं? [2]

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाँट,

चाकर, चपल, नट, चोर, चार, चेटकी।

पेट को पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,

अटत गहन-गन अहन अखेट की॥

ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,

पेट ही को पचत, बेचत-बेटा-बेटकी।

'तुलसी' बुझाइ एक राम-घनस्याम ही तें

आगि बड़बागि तें बड़ी है आगि पेट की॥"

(i) उपर्युक्त काव्यांश में अलंकारों को छाँटकर लिखिए। (कोई दो) [2]

(ii) प्रस्तुत काव्यांश में प्रयुक्त छंद संबंधी विशेषताएँ लिखिए। [2]

प्रश्न-10 (i) "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है"- शीर्ष पाठ का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। [3]

(ii) "बादल राग" कविता में प्रकृति का मानवीकरण किया गया है कोई तीन उदाहरण लिखिए। [3]

प्रश्न-11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है, जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी "पर्चेजिंग पावर" के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते है। मानों दोनों एक-दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दिखता है और यह बाज़ार का बल्कि इतिहास का; सत्य माना जाता है ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है।"

(i) बाज़ार का बाज़ारूपन कौन लोग बढ़ाते हैं? |2|

(ii) बाज़ार की सार्थकता कब होती है? |2|

(iii) किस कारण व्यक्ति कोरे ग्राहक और बेचक बन जाते हैं? |2|

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) 'शिरीष के फूल' पाठ के लेखक का नाम लिखिए। |1|

(ख) ढोलक की आवाज का पूरे गाँव पर क्या असर होता है? लिखिए। |3|

(ग) जीजी ने 'इन्दरसेना' पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया? लिखिए। |3|

(घ) जाति और श्रम विभाजन में बुनियादी अंतर क्या है?

'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' के आधार पर उत्तर लिखिए।

खण्ड – 'ग' – वितान

प्रश्न-13 "यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलनेवाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।" इल्या इहरनबर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में ऐन फ्रैंक की डायरी के आधार पर अपना विचार लिखिए।

अथवा

"टूटे-फूटे खण्डहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समय के भी दस्तावेज होते हैं -" स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-14 (क) 'जूझ' कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [4]

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' पाठ के आधार पर उन जीवन मूल्यों पर विचार कीजिए जो यशोधर बाबू को किशन दा से उत्तराधिकार में मिले थे?

(ख) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों? लिखिए। [4]

अथवा

श्री सौंदलगेकर अध्यापक की किन विशेषताओं ने आनंदा के मन में कविताओं के प्रति रूचि जगाई? लिखिए।